मुख्यमंत्री भजनलाल ने महाकुंभ में स्नान किया

उन्होंने राज्य के यात्रियों के अल्पकालिक प्रवास के लिये निर्मित राजस्थान मंडप में रात्रि विश्राम किया

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज में जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानन्द, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य तथा निरंजनी पीठाधीश्वर कैलाश गिरी से भेंट कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने आचार्य मृदुल कृष्ण महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण भी किया।

प्रयागराज/जयपुर (कासं), 19 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान किया। उन्होंने सपरिवार मां गंगा की पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। भजनलाल शर्मा ने नाव से त्रिवेणी संगम का अवलोकन किया और बड़े संगम तट पर स्थित लेटे हनुमानजी के दर्शन भी किए। उन्होंने राजस्थान मण्डप में संत-महात्माओं का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा समृद्ध है। ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। हमारी संस्कृति "सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया:" के भाव के साथ सबको को सुख-शान्ति से रहने का संदेश देती है। उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की।

शनिवार देर रात को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रयागराज महाकुम्भ में राजस्थान मण्डप का अवलोकन किया। उन्होंने यात्रियों के लिये बनाए पंडाल तथा यात्रियों के ठहराव की शानदार व्यवस्थाओं पर खुशी जताई।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान के यात्रियों को राज्य सरकार द्वारा अल्पकालिक प्रवास के लिए सुविधाएं प्रदत्त करने के उद्देश्य से निर्मित किये गए राजस्थान मंडप में ही रात्रि विश्राम किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को महाकुंभ में त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान किया। उन्होंने सपरिवार मां गंगा की पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना की।

भजनलाल शर्मा ने रविवार को प्रयागराज महाकुंभ में जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरू रामभद्राचार्य, निरंजनी पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर कैलाशगिरी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आचार्य मृदुल कृष्ण महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ विरासत के संरक्षण का विजन देखने को मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ एकता और समता का संगम हैं तथा इसका साक्षी बनना अभिभूत करने वाला हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा की इस दौरान असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य से भी मुलाकात हुई।

नाइजीरिया में गैसोलीन टैंकर पलटा, विस्फोट में 80 मरे

- राष्ट्रपति टीनूबू ने बताया कि कई लोग गिरे हुए टैंकर से गैसोलीन निकालते समय भीषण आग में फंसने से मरे।

अबुजा, 19 जनवरी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य राज्य नाइजर में शनिवार को व्यस्त सड़क पर गैसोलीन से लदे एक टैंकर के पलट जाने से 80 से अधिक लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये, राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने रविवार को 80 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने यहां जारी एक बयान में घटना और भारी मानवीय क्षति पर 'गहरा दुख' व्यक्त करते हुए विस्फोट को 'विनाशकारी' बताया। उन्होंने कहा कि राज्य के डिक्को क्षेत्र में कई लोग गिरे हुए गैसोलीन टैंकर से ईंधन निकालने की कोशिश करते समय भीषण आग में फंस गए थे।

नाइजीरिया के राष्ट्रपति ने सभी नागरिकों को सावधानी बरतने और दुर्घटनास्थलों, खासकर ईंधन से भरे वाहनों के पास जाने से बचने की सलाह दी, क्योंकि वे अत्यधिक विस्फोटक होते हैं।इसके अतिरिक्त, राष्ट्रपति ने नेशनल ओरिएंटेशन एजेंसी को एक राष्ट्रव्यापी शैक्षिक अभियान शुरू करने का आदेश दिया है। यह अभियान गिरे हुए टैंकरों से ईंधन निकालने के गंभीर जोखिमों और पर्यावरणीय खतरों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाएगा।

गौरतलब है कि नाइजीरिया में गैसोलीन टैंकर विस्फोट असामान्य नहीं हैं। इससे अक्सर बड़ी संख्या में लोग हताहत होते हैं। सितंबर 2024 में, नाइजर राज्य में एक व्यस्त राजमार्ग पर गैसोलीन से भरे टैंकर में विस्फोट होने से कम से कम 48 लोग मारे गये थे।

21-22 जनवरी को राजस्थान में हल्की बारिश के आसार

दिल्ली -एनसीआर में रविवार को धूप निकलने से लोगों को बहुत राहत मिली

- मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में बारिश से लोगों को ठंड में राहत मिलेगी पर सर्दी का असर अभी जारी रहेगा।
- राजस्थान में सबसे कम तापमान अलवर में 7.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

नई दिल्ली, 19 जनवरी। कुछ दिनों से संपूर्ण उत्तर भारत कड़ाके की ठंड, कोहरे और शीतलहर की चपेट में है। हालांकि, अब मौसम का मिजाज बदला-बदला दिख रहा। खास तौर से दिल्ली-एनसीआर में रविवार को धूप निकलने से लोगों को बड़ी राहत मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान 26 डिग्री को पार कर गया।

तथापि, मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में मौसम फिर करवट बदलेगा। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का दौर अभी जाने वाला नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी में ठंड फिर से बढ़ेगी। वहीं उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान सहित कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

राजस्थान में इन दिनों कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में तापमान गिरने से ठंड में और इजाफा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले हफ्ते राज्य के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। खास तौर से 21 और 22 जनवरी को एक नया वैस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा। इसकी वजह से राज्य के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस बारिश से ठंड में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन सर्दी का असर अभी जारी रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि 21 जनवरी को राजस्थान के जयपुर, भरतपुर संभाग, जोधपुर और बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 22 जनवरी को भी 21 जनवरी जैसा हाल रहने की संभावना है।

बीते 24 घंटों में राजस्थान के विभिन्न हिस्से में तापमान में गिरावट देखी गई है। राजस्थान के अलवर में 7.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। गंगानगर और करौली में 7.7 डिग्री, जैसलमेर में 7.9 डिग्री, संगरिया में 8.8 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 9.2 डिग्री, पिलानी और कोटा में 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। जयपुर शहर में बीते 24 घंटे में ठंडी हवाएं चलने के कारण सर्दी बढ़ गई है। हल्की धूप ने थोड़ी राहत जरूर दी है।

पहले बेटा-बहू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बयान में अपने ससुर पर गोली मारने का आरोप लगाया।

घायल लवलप्रीत के ताऊ गुरजंट सिंह, जो पड़ोस में ही रहते हैं, ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे कश्मीर सिंह के घर से गोली चलने की आवाज आई। वह दौड़कर गए तो वहां लवलप्रीत और गुरप्रीत को घायल अवस्था में पाया। लवलप्रीत को पसलियों में और गुरप्रीत को पीठ में गोली लगी थी। उन्होंने दोनों को एक निजी अस्पताल में पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने लवलप्रीत सिंह की हालत गंभीर बताई है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद पहले कश्मीर सिंह फरार हो गया था लेकिन बाद में करीब साढ़े तीन बजे कश्मीर सिंह ने लौटकर घर में फांसी लगा ली। इसके बाद उसे सर्वोदय अस्पताल लाया गया, जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है और उसकी भी हालत गंभीर बनी हुई है।

गंगा में नाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहे थे।

राहत व बचाव कार्य जारी है, लेकिन तेज धारा और गहराई के चलते लापता लोगों को खोजने में परेशानी हो रही है।

घटना के बाद से ही ग्रामीणों ने प्रशासन का पूरा सहयोग किया और बचाव कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। हादसे ने इलाके में सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'जब बिहार में जाति जनगणना हुई, तब महागठबंधन की सरकार थी'

प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी पर निशाना साधा, कि उन्हें पूरी जानकारी तक नहीं है

- प्रशांत किशोर ने पटना से राज्यव्यापी बाइक रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा 100 बाइकर्स पूरे बिहार की 20 हजार किलोमीटर यात्रा करेंगे।
- उन्होंने कहा राहुल गांधी को बिहार में जंगल राज के दौरान हुए अत्याचार पर माफी मांगनी चाहिये क्योंकि तब उनकी पार्टी के समर्थन से सरकार चल रही थी।

पटना, 19 जनवरी।जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि जब बिहार में जाति जनगणना हुई थी, तब प्रदेश में महागठबंधन की सरकार थी। किशोर ने रविवार को बिहार सत्याग्रह आश्रम से राज्यव्यापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसका नेतृत्व जन सुराज के युवा अध्यक्ष आनंद मिश्रा कर रहे हैं।

किशोर ने कहा, गांधी को पता होना चाहिए कि जब बिहार में जाति जनगणना हुई थी, तब बिहार में महागठबंधन की सरकार थी। जब वह कहते हैं कि बिहार में अत्याचार हो रहे हैं, तो उन्हें इसकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए क्योंकि बिहार और देश में लंबे समय तक कांग्रेस की ही सरकार रही है। यदि कांग्रेस सिख दंगों के लिए माफी मांग सकती है तो ऊसे बिहार में जंगलराज के दौरान किए गए अत्याचारों के लिए भी माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उस समय बिहार में उनकी पार्टी के समर्थन से सरकार चल रही थी।

प्रशांत किशोर ने बताया कि आनंद मिश्रा के नेतृत्व में 100 बाइकर्स पूरे बिहार में 20 हजार किलोमीटर की यात्रा करेंगे। यात्रा का उद्देश्य बिहार के युवाओं के साथ हो रहे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ उनकी आवाज बनना है। अपनी पदयात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जिस तरह मैंने पूरे बिहार में पैदल यात्रा की, उसी तरह मिश्रा भी बाइक यात्रा कर बिहार के युवाओं से जुड़ेंगे।

मिश्रा ने कहा कि यह पूरी यात्रा किशोर के मार्गदर्शन में हो रही है।

केन्द्र से वार्ता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल के चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के निर्णय का स्वागत करता है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है।

गौरतलब है कि किसानों का एक समूह 15 जनवरी को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के साथ खनौरी सीमा के पास आमरण अनशन पर बैठा था। डल्लेवाल और उनके समर्थक खनौरी सीमा पर आमरण अनशन कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि, किसान आंदोलन 13 फरवरी 2024 से शंभू और खनौरी सीमा पर चल रहा है, जब सुरक्षा बलों ने किसानों को दिल्ली तक मार्च करने की अनुमति नहीं दी थी।

मुकेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दौरान भी मुकेश अंबानी ने उनकी मेजबानी की थी। ट्रंप परिवार और अंबानी परिवार के बीच अच्छे संबंध रहे हैं। पिछले साल मार्च में अंबानी परिवार के प्री-वेडिंग समारोह में इवांका ट्रंप, उनके पति जेरेड कुशनर और उनकी बेटी अरबेला भी शामिल हुई थीं।

केजरीवाल पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकर्ताओं पर चल रहा है। वह (केजरीवाल) नहीं चाहते कि आतिशी, मनीष सिसोदिया या सौरभ भारद्वाज चुनाव जीतें, इसलिए उन्हें चुनाव प्रचार से हटा कर सिर्फ संवाददाता सम्मेलन और बैठकों में उलझा कर रखते हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ असम में एफआईआर दर्ज

गुवाहाटी, 19 जनवरी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। उनके हालिया बयान को लेकर एफआईआर दर्ज हुई है। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पहले ही राहुल ने कहा था कि भाजपा और आरएसएस ने हर एक संस्थान पर कब्जा कर लिया है और वो (राहुल) अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। इस बयान पर देश भर में बवाल मच गया है और असम में उनके खिलाफ केस भी दर्ज हुआ है। जानकारी के मुताबिक, गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। राहुल गांधी ने यह बयान 15 जनवरी को दिल्ली के कोटला रोड स्थित कांग्रेस पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान दिया था। शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का बयान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं को पार कर गया है।

मांझी ने 20 सीटों पर दावा कर एनडीए की मुश्किलें बढ़ाईं

उन्होंने कहा, दिल्ली और झारखंड में तो मान गये, पर बिहार में धोखा नहीं चलेगा

- जीवनराम मांझी ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते उन्होंने सभी वर्गों का ध्यान रखा था, इसलिये उनके कार्यकर्ता तो 40 सीट मांग रहे हैं।

नई दिल्ली, 19 जनवरी। केंद्रीय मंत्री और हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) पार्टी के संस्थापक जीतन राम मांझी ने एनडीए की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि उनकी पार्टी को एनडीए से आगामी विधानसभा चुनाव में 20 सीट मिलनी चाहिए। उन्होंने एनडीए की मुश्किलें बढ़ाते हुए कहा है कि दिल्ली और झारखंड में तो मान गए लेकिन, बिहार में धोखा नहीं चलेगा।

बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को 20 सीटें मिलनी चाहिए जबकि उनके कार्यकर्ताओं ने 40 सीटों का दावा कर रखा है। जीतन राम मांझी ने कहा है कि बतौर मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने सभी वर्गों का ध्यान रखा है। छात्रों की समस्याएं हों या फिर आम लोगों की समस्याएं, सभी को प्रमुखता दी है।

उन्होंने कहा है कि हम जनता के बीच जा रहे हैं। उनसे संवाद कर रहे हैं। उनकी मांगों को हम प्रमुखता से देख रहे हैं। उन्होंने कहा, भुइंया और मुसहर की संख्या लगभग 60-70 लाख के बीच है। ऐसे में हमें उनका ख्याल रखना जरूरी है।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र के शकूराबाद बाजार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर पूर्व डीएसपी प्रशांत भूषण श्रीवास्तव और शिक्षक सुनील कुमार ने उनकी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने कहा कि हम अपने समाज को, अपने प्रदेश की जनता को दिखाना चाहते हैं। हम बिहार का विकास चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारी मांगों को प्रमुखता दी जाए। झारखंड और दिल्ली जैसी बात हुई तो धोखा होगा।

छत्तीसगढ़ में भूमिहीन किसानों को 10 हजार रु. प्रति वर्ष मिलेंगे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इस कार्य के लिये बजट में 500 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है

रायपुर, 19 जनवरी। छत्तीसगढ़ में भूमिहीन किसानों के लिए राज्य सरकार खास तोहफा लेकर आई है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत राज्य में हर भूमिहीन किसान को सालाना 10 हजार रुपये मिलेंगे। सीएमओ छत्तीसगढ़ की तरफ से बताया गया कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सीएम विष्णु देव साय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया "हमारी सरकार "दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना" के अंतर्गत भूमिहीन परिवारों को प्रतिवर्ष 10000 की आर्थिक सहायता राशि देने जा रही है। इसके लिए हमारी सरकार के बजट में 500 करोड़ का प्रावधान किया गया है।"

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को एक साल पूरा हो चुका है। इस मौके पर सक्ती जिला मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य के ग्रामीण भूमिहीन श्रमिकों को अब 10-10 हजार रुपये की राशि सालाना दी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के पांच लाख 62 हजार श्रमिकों को फायदा मिलेगा। सीएम ने कहा कि जब से उनकी सरकार बनी है, वह मोदी की हर गारंटी को पूरा कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान भी भारतीय जनता पार्टी ने यह वादा किया था कि सत्ता में आने पर भूमिहीन किसानों को सालाना 10 हजार रुपये दिए जाएंगे और अब सरकार यह वादा पूरा कर रही है।

आरजेडी सांसद संजय यादव से 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी

पटना, 19 जनवरी। राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद संजय यादव से जोगा डॉन ने 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। इस मामले में सचिवालय थाने में केस दर्ज किया गया है। संजय यादव राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के करीबी माने जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कुख्यात अपराधी जोगिंदर ग्योंग उर्फ जोगा डॉन ने विदेशी नंबर से कॉल कर संजय यादव को धमकी दी और अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा है। राजद सांसद संजय यादव को मिली धमकी के मामले पर राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि जोगा डॉन ने कॉल कर उनसे 20 करोड़ रुपये मांगे हैं और अंजाम भुगतने की धमकी दी है। शासन को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

गाजा पट्टी से इज़रायली सेना व उपकरणों की वापसी शुरु हुई

कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्ध विराम पर इज़रायल व हमास की सहमति से शांति की आशा जगी

- इज़रायल और हमास के संघर्ष में पिछले 15 महीने में 46 हजार फिलिस्तीनी तथा 1500 इजरायली मारे जा चुके हैं।

जेरूसलम, 19 जनवरी। अल जज़ीरा ने जानकारी दी कि इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाज़ा पट्टी में राफा शहर के केंद्र से सैनिकों और उपकरणों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। चैनल के मुताबिक, इज़रायली सेना फिलाडेल्फी कॉरिडोर की ओर पीछे हट रही है, जो मिस्र और गाज़ा पट्टी के बीच की सीमा पर स्थित है।

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि हमास आंदोलन के साथ एक समझौते के हिस्से के रूप में गाज़ा पट्टी और मिस्र की सीमा पर फिलाडेल्फी कॉरिडोर से इज़रायली बलों की कथित वापसी के बारे में मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, इज़रायल ने न केवल इस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बनाए रखने के लिये योजना बनाई है बल्कि इसे मजबूत करने की भी योजना बनाई है।

गौरतलब है कि फिलिस्तीनी गाज़ा पट्टी में संघर्ष के पक्ष, इज़रायल और हमास, कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता के साथ 19 जनवरी से 42 दिनों के लिए युद्धविराम पर सहमत हुए और अंततः शत्रुता को समाप्त करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस दुश्मनी के कारण पिछले 15 महीनों में 46 हजार फिलिस्तीनियों और लगभग 1,500 इजरायलियों की जान चली गई तथा इजरायल और ईरान के बीच मिसाइल हमले हुए।

समझौते के पहले चरण में लगभग एक हजार फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में 33 इज़रायली बंधकों की रिहाई मिली है।

इज़रायली सैनिकों को गाजा पट्टी की सीमाओं पर वापस जाना होगा। युद्धविराम के पहले दिन से मानवीय सहायता वितरण बढ़ कर प्रति दिन 600 ट्रक हो जाएगा, जिसमें 50 ईंधन के ट्रक भी शामिल होंगे। फिलिस्तीनियों को 200 हजार टेंट और 60 हजार मोबाइल घर मिलेंगे।

समझौते के गारंटर कतर, मिस्र और अमेरिका हैं, जो काहिरा में एक समन्वय केंद्र बनाएंगे। युद्धविराम के 16वें दिन, इज़रायल और हमास ने समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करने के लिए प्रतिबद्धता जताई, जिसमें संभवतः शेष बंधकों की रिहाई, एक स्थायी युद्धविराम और पूर्ण इज़राइली वापसी शामिल होगी। शांति प्रक्रिया के गारंटर तीसरे चरण के बारे में भी बात कर रहे हैं, जिसमें अवशेषों का आदान-प्रदान, गाज़ा पट्टी का पुनर्निर्माण और इसकी नाकाबंदी को समाप्त करना शामिल होगा।

राहुल गांधी ने मोदी के खिलाफ व्हाइट शर्ट कैम्पेन शुरु किया

उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने गरीब व मेहनतकश वर्ग से मुंह मोड़ लिया, इन्हें न्याय व अधिकार देने के लिये यह प्रयास है

- राहुल गांधी ने इस मुहिम से जुड़ने के लिये एक वैब साइट और मिस्ड कॉल नम्बर जारी किया। इस कैम्पेन को अग्रणी न्याय आंदोलन बताया जा रहा है।

नई दिल्ली, 19 जनवरी। लोकसभा में विपक्ष के सांसद राहुल गांधी ने बीते दिनों लगातार कामगारों के बीच खुद की मौजूदगी दिखाने और उनकी समस्याओं को सुनने की कोशिश की है।

ऐसे में दिल्ली चुनाव से पहले कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में इस तबके से जुड़े कैम्पेन की शुरुआत की है। पार्टी का दावा है कि इस कैम्पेन के जरिए विभिन्न सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों को एकजुट किया जाएगा, जिससे इस वर्ग को न्याय और अधिकार मिल सके। पार्टी के मुताबिक आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय के मकसद के लिए इस कैम्पेन को शुरू किया जा रहा है, जिसे व्हाइट शर्ट कैंपेन का नाम दिया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कैम्पेन की जानकारी देते हुए राहुल गांधी ने लिखा है कि, मोदी सरकार ने गरीब और मेहनतकश वर्ग से मुंह मोड़ लिया है और पूरी तरह उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया है। राहुल ने इस तबके से इस मूवमेंट से जुड़ने की अपील की है और इसके बारे में जानकारी भी दी है। राहुल गांधी ने इस मुहिम से जुड़ने के लिए एक वेबसाइट और मिस्ड कॉल नंबर भी जारी किया है, जो भी शख्स इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहता है, वह इस वेबसाइट पर जाकर जानकारी ले सकता है या दिए गए नंबर पर मिस्ड कॉल कर सकता है।

इस पोस्ट पर दिए लिंक से जो जानकारी सामने आती है, उसके मुताबिक पार्टी इस कैम्पेन को एक अग्रणी न्याय आंदोलन कह कर ब्रांड कर रही है। इसे एक ऐसे प्लैटफॉर्म की तरह प्रोजेक्ट किया जा रहा है जो विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों को एकजुट करेगा। पार्टी का कहना है कि जो युवा आर्थिक असमानता, सोशल जस्टिस और धार्मिक भेदभाव के खिलाफ हैं, वो साथ आएं और व्हाइट टी शर्ट पहन कर आंदोलन से जुड़ें।

इसे अपनी तरह का पहला राजनीतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम बताया जा रहा है। इसमें चुने गए युवा काम के बंदे कहलाए जाएंगे और ये मेट्रो और टियर 2 शहरों में गिग कार्यकर्ताओं तक पहुंचने और उन्हें संगठित करने का काम करेंगे।

पार्टी का कहना है कि ये कार्यक्रम मूल्यों की राजनीति को मुख्यधारा में लाने की कोशिश करेगा।

इस प्रक्रिया के पहले स्टेज में आवेदन करने वाले लोगों में से 500 आवेदन कर्ताओं को चुना जाएगा। इन लोगों को उनकी मुद्दों को लेकर समझ के आधार पर चुना जाएगा। दूसरे स्टेज में चुने एक युवा एक प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल होंगे जिसमें परियोजना लक्ष्य और डेटा संग्रह जैसी प्रैक्टिस भी होगी।

दिल्ली एन.सी.आर. में रहने वाले 18-25 साल के युवा, इसके लिए, अप्लाई कर सकते हैं। प्रोजेक्ट के दौरान अपने खर्चे पर दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लोग भी शामिल हो सकते हैं। वेबसाइट के मुताबिक इसमें हिस्सा लेने वाले किसी भी शख्स को कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक प्रशिक्षु की मान्यता मिलेगी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908